वक्फ बोर्ड ने बिहार के एक गाँव पर दावा किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **बिहार** [वक्फ बोर्ड](#) ने **गोविंदपुर गाँव के ग्रामीणों को नोटिस भेजकर 30 दिनों के भीतर ज़मीन खाली** करने को कहा है।

मुख्य बिंदु

- ये नोटिस मिलने के बाद सभी **भूस्वामियों ने पटना** उच्च न्यायालय **में याचिका दायर** की।
- **उच्च न्यायालय ने कहा कि यह भूमि वर्ष 1910 से याचिकाकर्त्ताओं के वंशजों के नाम पर है।**
    - अगस्त 2024 में संसद में **वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024** भी प्रस्तुत किया गया।

वक्फ बोर्ड

- वक्फ बोर्ड **एक कानूनी इकाई है जो संपत्ति अर्जित करने, रखने और हस्तांतरित** करने में सक्षम है। **यह न्यायालय में मुकदमा कर सकता है तथा उस पर मुकदमा चलाया जा सकता है।**
- यह **वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन करता है, खोई हुई संपत्तियों को वापस प्राप्त करता है** और बिक्री, उपहार, बंधक ऋण या गिरवी कर्ज, विनिमय या पट्टे के माध्यम से अचल वक्फ संपत्तियों के हस्तांतरण को मंज़ूरी देता है, जिसमें बोर्ड के कम-से-कम दो-तिहाई सदस्य लेन-देन के पक्ष में मतदान करते हैं
- **वर्ष 1964** में स्थापित **केंद्रीय वक्फ परिषद (CWC)** पूरे भारत में राज्य स्तरीय वक्फ बोर्डों की देख-रेख और सलाह देती है।
- वक्फ बोर्ड को **भारत** में रेलवे और रक्षा विभाग के बाद **तीसरा सबसे बड़ा भूमिधारक** कहा जाता है।

वक्फ अधिनियम (संशोधन विधेयक), 2024 में प्रमुख संशोधन

- **पारदर्शिता:** विधेयक में मौजूदा वक्फ अधिनियम में लगभग 40 संशोधनों की रूपरेखा दी गई है, जिसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिये वक्फ बोर्डों को सभी **संपत्ति दावों हेतु अनिवार्य सत्यापन से गुज़रना होगा**
- **लिंग विविधता:** **वक्फ अधिनियम, 1995** **की धारा 9 और 14** में संशोधन किया जाएगा ताकि वक्फ **बोर्ड की संरचना एवं कार्यप्रणाली** को संशोधित किया जा सके, जिसमें **महिला प्रतिनिधियों** को शामिल करना भी शामिल है।
- **संशोधित सत्यापन प्रक्रियाएँ: विवादों को सुलझाने और दुरुपयोग को रोकने** के लिये वक्फ संपत्तियों के लिये नई सत्यापन प्रक्रियाएँ शुरू की जाएंगी तथा ज़िला मजिस्ट्रेट संभवतः इन संपत्तियों की देख-रेख करेंगे।
- **सीमित शक्ति:** ये संशोधन **वक्फ बोर्डों (Waqf Boards) की अनियंत्रित शक्तियों के बारे में चिंताओं** का जवाब देते हैं, जिसके कारण व्यापक भूमि पर वक्फ का दावा किया जा रहा है, जिससे विवाद और दुरुपयोग के दावे हो रहे हैं।
- उदाहरण के लिये **सितंबर 2022 में तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने पूरे थिरुचेंदुरई गाँव पर दावा किया,** जो मुख्य रूप से हिंदू बहुल है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/waqf-board-claims-over-a-village-in-bihar